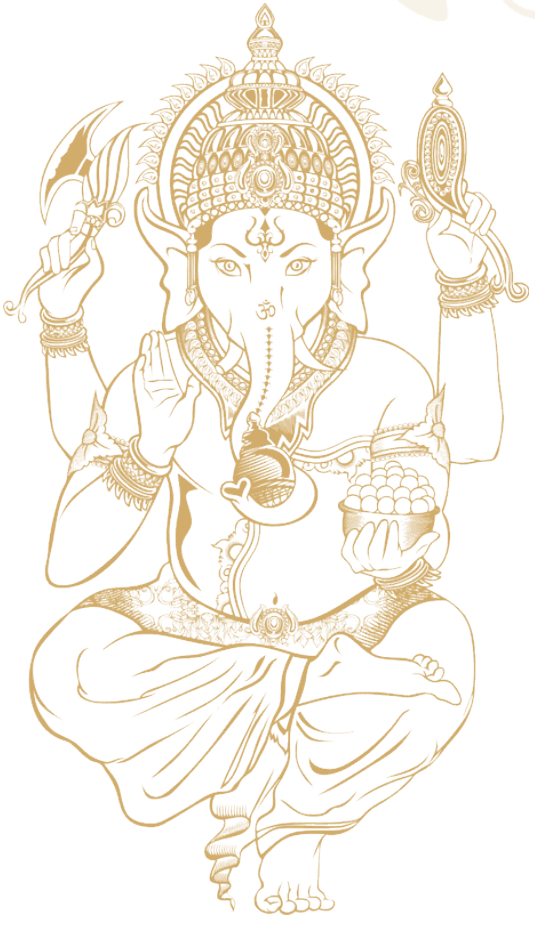

Mr.raunak

Ms.ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119328607

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/12/2000	जन्म तिथि	11/08/2002
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 12:56:00	जन्म समय	18:24:00 घंटे
घटी 15:33:18	जन्म समय(घटी)	32:00:23 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Lucknow
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:40	सूर्योदय	05:35:50
17:13:19	सूर्यास्त	18:46:55
23:51:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 2वर्ष 1मा 30दि		04:25:26	मीन	लग्न	मक	18:59:39	सूर्य 3वर्ष 4मा 2दि	
शुक्र		21:38:05	वृश्चि	सूर्य	कर्क	24:47:53	राहु	
06/02/2010		28:18:04	मीन	चंद्र	कन्या	02:34:37	14/12/2022	
06/02/2030		26:24:02	कन्या	मंगल	कर्क	24:36:07	13/12/2040	
शुक्र	07/06/2013	11:28:53	वृश्चि	बुध	सिंह	14:40:26	राहु	26/08/2025
सूर्य	08/06/2014	11:02:32	वृष व	गुरु	कर्क	08:16:15	गुरु	19/01/2028
चन्द्र	06/02/2016	04:53:51	मक	शुक्र	कन्या	10:24:40	शनि	25/11/2030
मंगल	08/04/2017	02:13:04	वृष व	शनि	मिथु	02:02:21	बुध	14/06/2033
राहु	07/04/2020	22:02:03	मिथु व	राहु व	वृष	21:48:59	केतु	02/07/2034
गुरु	07/12/2022	22:02:03	धनु व	केतु व	वृश्चि	21:48:59	शुक्र	02/07/2037
शनि	06/02/2026	23:45:21	मक	हर्ष व	कुंभ	03:18:13	सूर्य	27/05/2038
बुध	07/12/2028	10:40:51	मक	नेप व	मक	15:26:14	चन्द्र	26/11/2039
केतु	06/02/2030	18:58:33	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:04:13	मंगल	13/12/2040

लग्न-चलित

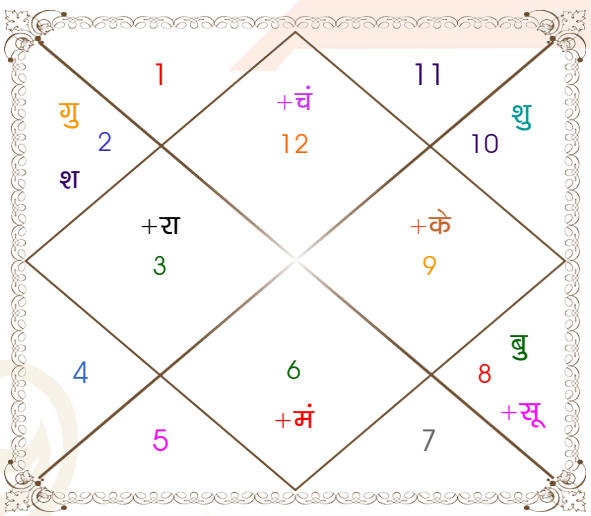

लग्न-चलित

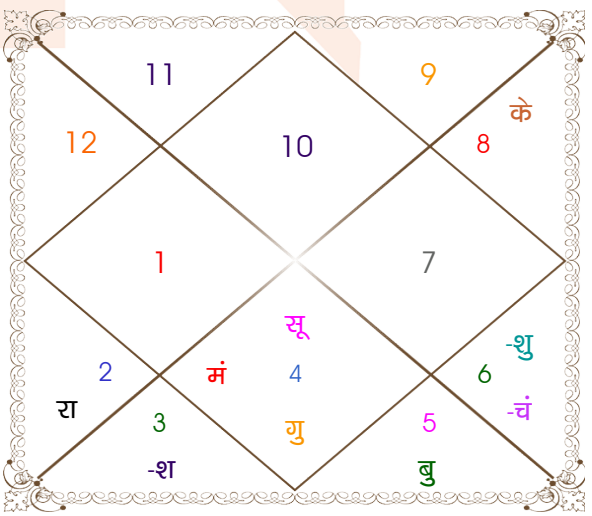

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr.raunak का वर्ग सिंह है तथा Ms.ayushi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.raunak और Ms.ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.raunak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.raunak कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.ayushi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.ayushi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.raunak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.raunak तथा Ms.ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।